



- अंकित ग्रही एकमात्र पृष्ठ नंबर दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के

केवल 'बारकोड' अंकित ग्रही एकमात्र पृष्ठ नंबरों के लिए :-

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २०१४ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था - सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी - सत्संग प्रारंभ

जनवरी, २०१४

समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुणांक : १००



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत कीजिए।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☞

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।

दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	<input type="text"/> <input type="text"/> <input type="text"/>	<input type="text"/> <input type="text"/> <input type="text"/>

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

- मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें।
- दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।
- सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे।
- मुख्य परीक्षा में उत्तरवाही के इलावा अतिरिक्त पनों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे।
- परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
- परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवाही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी।
- परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।
- परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लैपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
१ (९)		
२ (४)		
३ (४)		
४ (५)		
५ (८)		
६ (६)		

विभाग-१, कुल गुण (३६)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
७ (९)		
८ (४)		
९ (६)		
१० (५)		
११ (६)		

विभाग-२, कुल गुण (३०)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
१२ (४)		
१३ (८)		
१४ (४)		
१५ (८)		
१६ (५)		
१७ (५)		

विभाग-३, कुल गुण (३४)

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....
मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

(९)

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।

१. “अभी-अभी जाकर बुला लो ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

२. “इच्छाराम को उठाकर चलती है, तो आप मुझे पैदल क्यों ले चलती है ?”

३. “तुम्हें उसे अभी उतारना पड़ेगा ।”

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए ।

१. बन्दर क्यों चिल्लाने लगा ?

.....

२. मीन सरोवर के किनारे पर कौन सा वृक्ष था ?

३. रामप्रतापजी उपवन में किस पेड़ की देखरेख करते थे ?

४. कौन सी गाय दो समय दूध दिया करती थी ?

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए ।

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों की पिटाई : छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों की पिटाई : अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर पूँडी झपटकर पेड़ पर जा बैठा ।

१. पुत्र की परीक्षा : उस पर एक हीरा, एक मूर्ति तथा एक छोटी-सी तलवार रख दी ।

२.

२. रामचन्द्र के रूप में दर्शन : किनारे पर कपड़े धो रहे मंछा माली के पास जाकर घनश्याम ने अपनी चिंता व्यक्त की ‘भाई मंछा, पानी के भीतर डुबकी लगाने के बाद अभी तक बालमित्रों बाहर नहीं निकले ।’

३. घनश्याम का यज्ञोपवीत संस्कार : इच्छाराम को चाचा ने अति स्नेहपूर्वक हाथ में उठा लिया । इच्छाराम के हाथ में मामा ने दस रुपये दिए ।

४. एकादशी की महिमा : एकादशी का व्रत करने से एक हजार राजसूय यज्ञ करने के समान पुण्यलाभ मिलता है ।

प्र. ४ ‘निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।

(विवरण आवश्यक नहीं है ।)

(५)

१. लोभी हलवाई को चमत्कार । २. गौरी गाय की खोज में । ३. सारी रसोई खा गए ।

१.

२.

३.

४.

५.

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. चेचक की बीमारी गई ।

- (१) बसंतामौसी तबियत की खबर लेने आई ।
- (२) दस दिन तक पानी का स्पर्श नहि करना ।
- (३) आप ठण्डा जल ले आइए ।
- (४) निश्चित रूप से यह बालक भगवान हैं ।

२. मुमुक्षु किस दिशा की ओर ?

- | | |
|--|--|
| (१) <input type="checkbox"/> आम का पेड़ | (२) <input type="checkbox"/> पश्चिम दिशा |
| (३) <input type="checkbox"/> जहाँ श्रीकृष्ण की द्वारिका है । | (४) <input type="checkbox"/> अयोध्या में ही निवास करके रहना है । |

३. भूतहा कुआँ

- | | |
|---|---|
| (१) <input type="checkbox"/> वचनाबाई | (२) <input type="checkbox"/> लोटा पानी में पहुँचा । |
| (३) <input type="checkbox"/> घनश्याम ने कुएँ में छलांग लगा दी । | (४) <input type="checkbox"/> भूतों को श्वेतद्वीप में भेज दिया । |

४. सोलह चिह्न

- | | |
|---|--|
| (१) <input type="checkbox"/> तुंडा गाँव | (२) <input type="checkbox"/> सुभानसिंह राजा |
| (३) <input type="checkbox"/> भगवान की परछाई नहीं होती । | (४) <input type="checkbox"/> बायें पैर में सात चिह्न |

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्तियाँ में) (६)

१. वशराम मामा ने घनश्याम की स्तुति की ।

.....
.....
.....

२. कृत्याएँ धर्मदेव का घर खोजने लगीं ।

३. अमर्ई नाई घबड़ा गया ।

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (९)

१. “तुम अक्षरपुरषोत्तम सिद्धांत तथा उनकी सेवा की भावना सारे जगत में फैलाओ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....

२. “भंडारी साधु कहाँ गए ?”

३. “रो ले तेरे गुणातीत को, वह तुझे छुड़ाएगा ।”

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए ।

(8)

१. अफ्रीका के कौन कौन से गाँव में योगीजी महाराज ने मूर्तिप्रतिष्ठा संपन्न की ?

योगीजी महाराज रोटियाँ बनाते समय क्या करते ?

३. रोज सुबह झीणाभाई स्नान और ध्यान करने कहाँ जाते थे ?

४. कृष्णजी अदा किस की महिमा की बातें करते थे ?

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (६)

(६)

विषय : निःस्पृही सन्त

१. सन्त सत्संग के प्रचार के लिए एक गाँव से दूसरे गाँव विचरण करते रहते थे ।
२. बिना डॉटी सावधानी नहीं आती। इस प्रकार के दण्ड से हमारी भूल सुधरती है ।
३. योगीजी महाराज की उम्र छोटी थी, लेकिन उनकी सेवा बहुत बड़ी थी ।
४. कुबेरभाई ने योगीजी महाराज को कहा, चलिए शीघ्र चलिए, यहाँ क्या बैठे हैं ?
५. जिस चीज़ का हमने त्याग किया है, उस चीज़ को अपने हृदय में हम क्यों स्थान दे ?
६. योगीजी महाराज गोंडल में बिराजते थे ।
७. जूनागढ़ वापस लौटें तो आपके स्वागत के लिए मैं जेतपुर तक आऊँ ।
८. उस दिन उन्होंने निर्जल उपवास का व्रत रखा था ।
९. वे उपर के कमरे में बैठकर गुणातीतानन्द स्वामी का उपदेशमृत पढ़कर भक्तों को सुना रहे थे ।
१०. विज्ञानदास स्वामी उन पर क्रुद्ध हो गए ।
११. करसनसंग बापू यह देख रहे थे ।
१२. भावनगर के महाराजा के यहाँ विवाह-उत्सव था ।

(१) केवल सही क्रमांक : [] [] [] [] [] []

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः
उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।

(२) यथार्थ घटनाक्रम :

(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० 'ठाकरजी की सेवा' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)

(६)

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में)

(६)

१. योगीजी महाराज को राजकोट अस्पताल में दाखिल करवाए ।
-
.....
.....
.....

२. नारायणस्वरूपदासजी प्रमुखस्वामी के नाम से पहचानने लगे ।

३. केरिया गाँव में कुछ हरिभक्त लाठियाँ लेकर मन्दिर पहुँचे ।

विभाग - ३ किशोर सत्संग प्रारंभ - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४)

१. रामानंद स्वामी ने मुक्तानंद स्वामी को अपनी प्रसन्नता के लिए क्या करने को कहा ?
-
.....
.....

२. बालभक्त के पिता ने अंतिम बार चेतावनी देते हुए क्या कहा ?

३. हम सब किसके बालक हैं ?

४. बीबी जब अन्तिम साँस ले रही थी, तब भगवान् स्वामिनारायणने क्या किया ?

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. बालमंडल की सभा में बर्ताव ।

- (१) हर महीने बालसभा में जाना चाहिए । (२) प्रसाद लेने के बाद धून करे ।
 (३) अपना काम अपने ही हाथों से करना । (४) मन्दिर में पहले भगवान् को दण्डवत् प्रणाम करना ।

२. वजीबाई

- (१) सतवारा जाति की । (२) संतदासजी को अपने घर ठहराया ।
 (३) महाराज को कमरें में ठहराया । (४) पैर पीपल के पेड़ को छू गए ।

३. वीर भगुजी

- (१) सेवाभावी और वीर थे । (२) भड़ली गाँव के वासुरखाचर ।
 (३) कबूतर की विष्टा । (४) पाँच सौ रुपये देंगे तथा तीन सौ घुड़सवारों के सरदार बनाएँगे ।

४. अक्षरब्रह्म गुणातीतानन्द स्वामी ।

- (१) जनेऊ के गीत गाओ । (२) आठ साल की उम्र में दीक्षा ।
 (३) चालीस मास तक जूनागढ़ में । (४) अक्षर मन्दिर ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (४)

१. सत्संगी बच्चे आवारा लड़कों से हमेशा दूर ही रहते हैं ।

२. समाधि में श्रीहरि के पास जाकर प्रसादी के रूप में मेवा-मिठाई अथवा फूल या आदि ले आता ।

३. आप बड़े बुद्धिमान हैं, है ना ? एक के लिए आपने सारे का सत्यानाश कर दिया ।

४. श्रीजीमहाराज गंगामाँ के हाथ की बनी की खूब प्रशंसा करते ।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए ।

(८)

१. प्रभु! जलपान भूमानंदजी माँगे ।

.....

२. नहीं डरते गान गाएँगे ।

३. आगच्छ भगवन् स मुखो भव ॥

४. शास्त्रीजी के दीजिए सखकारी ।

प्र.१६ 'भगवान तो अपने.....' - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।

(पंद्रह पंक्तियाँ) (५)

प्र.१७ 'भगवान की देन' - प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।

(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।) (५)

१.

.....

२.

.....

३.

.....

४.

.....

५.

.....



एक अग्रय की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और

उसके उकेलपत्र निःशल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिंट भी निकाल सकते हैं।

<http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm>